वार्तालाप 451, विजयविहार–1 (दिल्ली), ताः 25.11.07
Disc.CD-451, dated 25.11.07 at Vijayvihar-1 (Delhi)

समय–19.26 से 21.02
जिज्ञासु – बाबा, एक तो विष्णु एक सेकेंड में तो ब्रह्मा बन जाते हैं और ब्रह्मा एक सेकेंड में विष्णु बन जाता है इसके बारे में थोड़ा क्लेरिफिकेशन दे दो।
बाबा – विष्णु एक सेकेंड में ब्रह्मा बन जाते हैं ये तो आपने अपनी बात बनाय ली। (किसी ने कहा – 5000 साल।) हां, विष्णु को ब्रह्मा बनने में, नीचे उतरने में 5 हजार साल लगते हैं और ब्रह्मा से विष्णु बनने में एक सेकेंड लगता है। वह एक सेकेंड है निश्चय बुद्धि बनने का। जब अटल निश्चयबुद्धि आत्मा बन जाये तभी समझो ब्रह्मा सो विष्णु बन जायेगी और विष्णु के लिए एक नहीं चाहिए। एक से विष्णु होता है क्या? विष्णु माने कम्बाईन्ड या अकेला? (सभीने कहा – कम्बाईन्ड।) रामवाली आत्मा अकेला कुछ नहीं कर सकती। भले प्रैक्टिकल जीवन में हैं, साकार शरीर से हैं तो भी अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। साथी चाहिए; इसलिए दिलवाड़ा मन्दिर में, जो हर मन्दिर में छोटे–छोटे मन्दिर 108 बने हैं ना उनमें हर मन्दिर में सिर्फ माँ–बाप ही दिखाये हैं या साथ में बच्चे भी दिखाये हैं? पूरा परिवार सहयोगी हो। एक मत हो, एक मत का धागा हो तब फाउंडेशन पड़े।
Time: 19.26-21.02
Student: Baba, kindly give some clarification about Vishnu transforming into Brahma in a second and Brahma transforming into Vishnu in a second.
Baba: As regards to Vishnu becoming Brahma in a second is your own version. (Someone said – 5000 years.) Yes, it takes 5000 years for Vishnu to become Brahma, to experience downfall and it takes a second for Brahma to become Vishnu. That one second is of developing a faithful intellect. When the soul develops unshakeable faith, then you can think that it will transform from Brahma to Vishnu and for Vishnu, just one is not sufficient. Does only one (person) make Vishnu? Does Vishnu mean combined or single? (Everyone said – combined.) The soul of Ram cannot do anything alone. Although he is in practical life, in corporeal body; even then one swallow doesn't make a summer. A companion is required, that is why in the *Dilwara* temple, in the 108 small temples that have been built, in each temple, has only the mother and father been shown or have the children also been shown with them in those temples? The entire family should be helpful. They should have one opinion, there should be a link of one opinion; then the foundation will be laid.

समय–28.36 से 30.10
जिज्ञासु– बाबा, शंकर में शिव, राम और कृष्ण की आत्मा को दिखाते हैं। बाबा ने कहा कि कृष्ण बच्चा जो हैं वो इंटरफिअर भी करता है। तो कृष्ण को चंद्र दिखाया गया है माना ज्ञान चंद्रमा है। ज्ञान चंद्रमा ज्ञान सूर्य की प्रखरता को कैसे इंटरफियर कर देता है?
बबा – ज्ञान सूर्य तुम किसको मानते हो? साकार को मानते हो या उसमें जो निराकार प्रवेश है उसको मानते हो?
जिज्ञासु – साकार प्रवेश है वह ज्ञान सूर्य है ना! राम की आत्मा भी तो ज्ञान सूर्य का ही पार्ट बजाती है ना अंत में.....
बाबा – राम की आत्मा सूर्य है या शिव सूर्य है? (जिज्ञासु– राम की आत्मा सूर्य है) राम की आत्मा सूर्य हैं? सूर्यवंशी है या सूर्य है? (सभीने कहा– सूर्यवंशी है) वंशी हैं। वंशी अलग बात और सूर्य होना अलग बात। अगर ऐसा न होता तो विनाश के टाईम पर 9 ग्रह आपस में टकराते हैं। सबसे पावरफुल ग्रह कौनसा हैं? (किसी ने कहा– सूर्य।) नहीं। बृहस्पति। जो पावरफुल है वही बचेगा और बाकी सब खलास हो जाते हैं। क्या सूर्य खलास हो जाता है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

(किसी ने कहा – सूर्य नहीं) सूर्य थोड़े ही खलास हो जाता हैं। तो रामवाली आत्मा सूर्यवंशी है। सूर्य नहीं है। सागर है।

Time: 28.36-30.10

Student: Baba, the soul of Shiv, Ram and Krishna is shown in Shankar. Baba has said that the child Krishna also interferes. So, Krishna has been shown as the Moon, i.e. he is the Moon of knowledge. How does he interfere with the intensity (*prakhartaa*) (of the light) of the Sun of knowledge?

Baba: Whom do you consider as the Sun of knowledge? Do you consider corporeal (to be the Sun of knowledge) or the incorporeal one who has entered in him?

Student: The corporeal one in whom (He) has entered; he is the Sun of knowledge, isn't he? The soul of Ram also plays the part of the Sun of knowledge only in the end, doesn't it? ……

Baba: Is the soul of Ram Sun or is Shiv Sun? (Student – Ram's soul is Sun.) Is the soul of Ram Sun? Is he a *Suryavanshi* (belonging to the Sun dynasty) or Sun? (Everyone said – He is a *Suryavanshi*) He is a *vanshi* (i.e. he belongs to the dynasty) Belonging to a dynasty (of Sun) is different from being Sun. Had it not been so, when the 9 planets clash with each other at the time of destruction; which is the most powerful planet? (Someone said: Sun.) No. Jupiter (*Brihaspati*). Only the powerful one will survive and the rest perish. Does the Sun perish? (Someone said – Not the Sun.) The Sun does not perish. So, the soul of Ram is *Suryavanshi*. He is not the Sun. He is an ocean.

समय–39.08 से 40.05

जिज्ञासु– बाबा, कहीं सेवा में जाते हैं तो लोग इस बात पर सवाल करते हैं कि सन् 36 में 84 वां जन्म, तो जो दूसरा रामवाली आत्मा का जन्म हुआ वह 86 वां स्थूल बाप हो गया।

बाबा – वह तो लौकिक बात करते हैं। जो सन् 36 में जन्म हुआ वह ब्रह्मा कहा गया ना! पक्का जन्म क्या कहा जायेगा? 36 में जो जन्म हुआ उसे लौकिक जन्म कहेंगे या अलौकिक जन्म कहेंगे? अलौकिक जन्म भी है, लौकिक भी हैं। इसलिए 84 वां जन्म भी हैं; लेकिन 84 वां जन्म होने के बाद वो आत्मा का 60 साल जो हैं उसमें 40 साल और एड करने पड़े। तब ब्रह्मा की 100 साल आयु पूरी हो। तो 76 में 100 साल आयु पूरी होती हैं और नया जन्म लक्ष्मी–नारायण का शुरू हो जाता हैं। वो बेहद का जन्म हैं।

Time: 39.08-40.05

Student: Baba, if we go anywhere for service, then people raise a question that it was 84th birth in the year 1936; so, when the soul of Ram took the next birth, he happens to be the 86th corporeal father.

Baba: They talk about *lokik* issue. The birth in the year 1936 was called Brahma, wasn't it? Which one will be called the firm birth? Will the birth in 1936 be called *lokik* birth or *alokik* birth? It is *alokik* as well as *lokik* birth. That is why it is the 84th birth as well, but after the 84th birth, 40 years will have to be added more to the 60 years of that soul. Then the 100 years of Brahma will be completed. So, 100 years of age are completed in 76 and the new birth of Lakshmi-Narayan begins. That is a birth in an unlimited sense.

समय–45.01 से 46.09

जिज्ञासु– बाबा, छोटी मम्मी से बात हुई हमारी 3, 4 महिने पहले बात हुई थी। तो जब मैंने ओमशान्ति माताजी कह दिया। जबकि कहती है मैं लक्ष्मी बनूंगी। तो मैंने माताजी कह दिया तो कहती है मैं माताजी नहीं हूँ। मै बी.के वेदान्ती हूँ। अभी–अभी बात हुयी थी हमारी। तो वह माताजी क्यों नहीं स्वीकार करती है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा – तो अच्छी बात है या खराब बात हैं? कोई किसी को बहुत ऊँचा उठाके कहे तुम ये हो और वह ना माने। अपने को ऊँचा ना स्वीकार करें। मान लो भगवान ही हो और तुम कहो कि आप भगवान हो और वह कहे नहीं हम भगवान नहीं है तो खराब बात हैं या अच्छी बात हैं? जब भगवान बाप अपने को गुप्त बनाके आता है तो भगवान का जो फॉलोअर है पहला नम्बर लक्ष्मी ही तो पहला नम्बर फॉलोअर बनती हैं, तो वो अपने को ज्यादा आगे–आगे बढ़बढ़ के..... लो मैं लक्ष्मी हूँ। लक्ष्य है, लक्ष्मी बनने का।

Time: 45.01-46.09

Student: Baba, I had a talk to the junior mother (*choti mummy*) 3, 4 months ago. So, when I greeted her by telling '*Omshanti mataji* (mother)'; while she says that she will become *Lakshmi*, so when I addressed her as *mataji* (mother) she said: I am not *mataji*. I am BK *Vedanti*. I had a talk with her recently. So, why does she not accept herself as *mataji*?

Baba: So, is it a good thing or bad thing? If someone addresses someone as a great person and says: you are this and if he does not accept it, if he does not accept himself to be great, suppose it is God Himself and if you tell Him that He is God and He says that He is not God, then is it bad or good? When God the Father Himself comes in an incognito form, then God's follower, the number one *Lakshmi* herself becomes His number one follower, so will she come forward and say for herself: see, I am *Lakshmi*? She has set a goal to become *Lakshmi*.

समय–46.11 से 47.08

जिज्ञासु– बाबा, चैतन्य ज्ञान सागर इतना मीठा बोला जाता है चैतन्य ज्ञान सागर को कि प्रेम का सागर और मीठा ज्ञान भी सुनाते हैं; लेकिन जो जड़ सागर है उसका पानी इतना क्यों खारा हैं?

बाबा – क्यों मुरली में तो बोला है– ''सागर खारा भी तो सागर मीठा भी।'' जो मीठा सागर है, वो धारायें बहती है गल्फस्ट्रीम धारा वगैरा। वो मीठा पानी बहता है उनमें। तो कहीं सागर मीठा है और कहीं सागर खारा है, मोस्टली कैसा है? (जिज्ञासु – मीठा।) खारा है; क्योंकि सारी दुनियाँ कैसी है? खारों के लिए खारा और मीठों के लिए.....? (सभी ने कहा – मीठा।) मीठा। एड़वांस पार्टी वालों को भगवान का पार्ट मीठा लगता है या खारा लगता है? (सभी ने कहा – मीठा लगता हैं।) मीठा लगता है। क्यों? और बेसिक वालों को खारा क्यों लगता है? उनको फर्रूखाबादी नमकीन अच्छा क्यों नहीं लगता?

Time: 46.11-47.08

Student: Baba, the living ocean of knowledge is said to be so sweet, the living ocean of knowledge is said to be ocean of love and He also narrates sweet knowledge, but why is the water of the non-living ocean so salty?

Baba: Why? It has been said in the *Murli*: Ocean is salty as well as sweet. There are streams of sweet Ocean, like the Gulf Stream, etc. Sweet water flows through them. So, at some places the ocean is sweet and at some places the ocean is salty; how is it mostly? (Student: Sweet.) It is salty because, how is the entire world? He is salty for the salty ones and for the sweet ones……? (Everyone said – sweet) He is sweet. Do those who belong to the advance party feel God's part to be sweet or salty? (Everyone said – It appears to be sweet.) It appears to be sweet. Why? And why do those who follow the basic knowledge find him to be salty? Why do they not like the *Farrukhabadi namkeen* (salty fried food of Farrukhabad)?

समय– 49.16 से 50.08

जिज्ञासु– बाबा, कृष्ण और क्राईस्ट की रास (राशी) मिलाई जाती है। अब तो कृष्ण है नहीं। बाबा ने मुरली में कहा है – जैसे कृष्ण बेगर बना है वैसे क्राईस्ट भी भीख मांगता होगा। भीख मांगने के लिए जहां तक बात आती है वह है राम और राम का संस्कार क्राईस्ट से भिन्न है। कृष्ण और क्राईस्ट का संस्कार कैसे?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा – माना तुमने अभी यही नहीं जाना कि रामवाली आत्मा में कृष्ण वाली आत्मा चंद्रमा के रूप में प्रवेश करती है या नहीं।
जिज्ञासु – लेकिन कृष्ण ने तो अव्यक्त रूप से प्रवेश करते हैं।
बाबा – हां अव्यक्तरूप से सर्विस करते हैं; लेकिन संगमयुगी कृष्ण भगवान का पार्ट बजाता है या सतयुगी कृष्ण भगवान का पार्ट बजाता है? नाम शरीर के ऊपर पड़ता है या आत्मा के ऊपर पड़ता है? शरीर के ऊपर नाम पड़ता हैं।
Time: 49.16-50.08
Student: Baba, the horoscopes of Krishna and Christ are matched. Well Krishna is not present now. Baba has said in the *Murli*: Just as Krishna has become a beggar, Christ must also be seeking alms. As far as the question of seeking alms is concerned, he is Ram and Ram's *sanskars* are different from Christ. How are the *sanskars* of Krishna and Christ?
Baba: Does it mean that you have not yet come to know that the soul of Krishna enters in the soul of Ram in the form of moon or not?
Student: But Krishna enters in an *avyakt* form.
Baba: Yes, he serves in an *avyakta* form; but does the Confluence Age Krishna plays the part of God or does the Golden Age Krishna plays the part of God? Is the name based on the body or on the soul? The names are based on the bodies.

समय–54.20 से 55.20
जिज्ञासु– बाबा, सतयुग में कपड़े ऐसे ही पहना करेंगे?
बाबा – बड़ी भारी चिंता हो रही हैं। वहाँ कपड़े अच्छे–अच्छे पहनने को मिलेंगे कि नहीं मिलेंगे? अरे, सतयुग में जब कपड़ा शरीररूपी वस्त्र ही इतना सुंदर हो जायेगा और ऐसा सुंदर तन होगा कि उसमें भ्रष्ट इंद्रियाँ पता ही नहीं चलेंगी कहां है। क्या? देहभान होगा ही नहीं। जब देहभान ही नहीं होगा तो कपड़ों की और मकान की और ये दिवाले खड़ी करने की दरकार ही क्या है? अभी बहुत देहभान है तो कहते हैं छी–छी हमें नहीं स्वर्ग चाहिए। वहाँ देखो कपड़े ही नहीं होंगे नंगे–टिंगे फिरेंगे।
Time: 54.20-55.20
Student: Baba, will we wear clothes in the Golden Age as we are wearing now?
Baba: It is creating a very great worry for you. Will we get nice clothes to wear there or not? Arey, the cloth-like body alone will become so beautiful and the body will be so beautiful that one will not be able to know where the unrighteous organs are situated in it. What? There will not be body consciousness at all. When there is no body consciousness at all, then what is the need for clothes, for houses and to build these walls? Now there is a lot of body consciousness; so they say: shame, shame, we don't want (such) heaven. Look, there will not be clothes there at all; they will walk naked.

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info